कैसे गिने कोई अहसान तेरे सांसे कम पड़ जाती है लिरिक्स

कैसे गिने कोई अहसान तेरे,
सांसे कम पड़ जाती है,
तेरी कृपा याद करूँ जब,
आँखे नम हो जाती है,
कैसे गिने कोई अहसान तेरे,
सांसे कम पड़ जाती है।bd।

देखे – कितने गिनाऊँ अहसान।

दुनिया की इस भीड़ में तनहा,
जब खुद को मैंने पाया,
साथ निभाया तुमने बाबा,
मुझ निर्धन को अपनाया,
मुझ निर्धन को अपनाया,
तेरी बदौलत खुशियां मेरे,
आँगन में इतराती है,
कैसे गिने कोई अहसान तेरे,
सांसे कम पड़ जाती है।bd।

रोज दिखाते ख्वाब नया तुम,
रोज ही पूरा करते हो,
खड़े सिरहाने पर तुम मेरे,
सिर पे हाथ को धरते हो,
सिर पे हाथ को धरते हो,
इस अहसास से हारे हुए की,
हिम्मत प्रभु बढ़ जाती है,
कैसे गिने कोई अहसान तेरे,
सांसे कम पड़ जाती है।bd।

इतना पाकर मैं क्यों रोऊँ,
रोकर मान घटाऊं क्यों,
था जिस लायक तुमसे है पाया,
दिल को मैं समझाऊं यूँ,
दिल को मैं समझाऊं यूँ,
नासमझों को मेरी बातें,
बाबा समझ ना आती है,
कैसे गिने कोई अहसान तेरे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सांसे कम पड़ जाती है।bd।

जब जब जीवन मिले ये मुझको,
बाबा तेरा प्यार मिले,
तेरी सेवा तेरी पूजा,
तेरा ही दरबार मिले,
तेरा ही दरबार मिले,
‘संजय’ ‘कुंदन’ सा चमके,
‘रोमी’ की नज़र पड़ जाती है,
कैसे गिने कोई अहसान तेरे,
सांसे कम पड़ जाती है।bd।

कैसे गिने कोई अहसान तेरे,
सांसे कम पड़ जाती है,
तेरी कृपा याद करूँ जब,
आँखे नम हो जाती है,
कैसे गिने कोई अहसान तेरे,
सांसे कम पड़ जाती है।bd।

Singer – Sanjay Pareek Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com